Translation Samvaad, Volume 2, Issue 2, December 2025
ISSN: 3049-4494

ORIGINAL TEXT

आओ फिर से दिया जलाएँ

- अटल बिहारी वाजपेयी

भरी दुपहरी में अँधियारा
सूरज परछाईं से हारा
अंतरतम का नेह निचोड़ें, बुझी हुई बाती सुलगाएँ
आओ फिर से दिया जलाएँ
हम पड़ाव को समझे मंज़िल
लक्ष्य हुआ आँखों से ओझल
वतर्मान के मोहजाल में आने वाला कल न भुलाएँ
आओ फिर से दिया जलाएँ
आहुति बाक़ी यज्ञ अधूरा
अपनों के विघ्नों ने घेरा
अंतिम जय का वज्र बनाने नव दधीचि हड्डियाँ गलाएँ
आओ फिर से दिया जलाएँ

Dogri Translation: आओ परती दिया जगाचै

(अनुवादक शगुफ्ता, Ph.D Scholar, Department of Dogri University of Jammu)

भर दपैह्री न्हेर- मन्हेरा
सूरज दे छौरें दा निं घेरा
अंताकरण दा स्नेह नचौड़चै
हिस्सली दी जोत सलगाचै
आओ परती दिया जगाचै ।
अस पड़ाऽ गी मिथचै मंजल

लक्ष्य होआ अक्खीं शा ओझल

वर्तमान दे मोह्जाल च

औने आह्ला कल की भलाचै

आओ परती दिया जगाचै।

औह्ती बाकी, अजें जग अधुरा

अपनें दे बिछड़नें दा झुरा

खीरी जय दा अस्त्र बनाचै

बनी दधीचि हड़िडयां गलाचै

आओ परती दिया जगाचै।

English Translation: Let Us Light the Lamp Again

In the blazing midday, darkness prevails

The sun has lost to its own shadow

Let us squeeze out the love from our innermost being,

And rekindle the extinguished wick —

Let us light the lamp again

We mistook the resting place for the destination

The goal has vanished from our sight

Entangled in the web of the present's illusions,

Let us not forget the tomorrow yet to come —

Let us light the lamp again

The offering remains, the sacrifice is incomplete

Our own obstacles have surrounded us

To forge the thunderbolt of ultimate victory,

Let us melt new Dadhichis' bones in sacrifice —

Let us light the lamp again.